63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 641 Participant Code: 334

विषय : नयी दिशा नयी उषा

नयी सुबह

सब कुछ हुआ नया,
नया वर्ष, नया दिन।
सब कुछ हुआ नया
नया चींता, नया सोच।

क्या सब कुछ नया हुआ?
क्या सब कुछ सही हो रहा है?
क्या सब लोग खुश है?
मुझे नहीं पता।

सब कुछ बदला,
लेकिन नहीं हुआ बदलाव कुछ सोच को।
कुछ लोग नई दिशों के पीछे चला,
लेकिन अब तक कुछ लोग नहीं पहुँचा।

नया वर्ष आया,
लेकिन वह सूरज और उसके किरणें वही है
नया वर्ष आया,
लेकिन कुछ लोगों के अंदर का सोच पुरानी है

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 641 Participant Code: 334

क्या कुछ बतला ?
पूछो अपनी दिल से।
क्या कुछ बतला ?
पूछो अपनी सोझ से।
क्या इस कलियुग में,
बतलाव संभव है।
क्या इस कलियुग में,
नया इनसान संभव है।
~~अ~~ अपनी सपनों के पीछे,
चलने को इज़ार है।
लेकिन अपनी सोझ के पीछे,
चलने को कोई नहीं।
क्या एक रात को एक मनुष्य मे बदलाव ला पाओगी,
क्या एक दिन को एक मनुष्य में बदलाव ला पाओगी,
एक रात या एक ~~दिन~~ को नहीं,
एक कटोर दिल को ही बतलाव ला सकता है।
क्या एक नयी दिशा नयी उषा,
संभव है एक व्यक्ति में अचानक।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

संभव है एक व्यक्ति में,
जो चलता अपने ख्वाबों के पीछे।
जब उड़ता हम,
अपने सपनों के पीछे।
क्या हम भूल सकता है,
अपने सपनों हृदय लोगों को।

एक नया वक्त में,
एक नया इनसान बनना चाहिए।
एक नया समाज में,
अपनी सपनों को आते सूरज जैसे बनना चाहिए।
जलती आँग जैसे,
होना चाहिए हमारे सोच।
जलती सूरज जैसे,
होना चाहिए हमारे कर्म।
एक नया दिशा में जाने को,
अवश्य है ये सब।
अपनी ही नहीं अपनी समाज के सपनों भी,
सफल करना चाहिए।

Item Code: 641 Participant Code: 334

वो होगा एक नया इनसान,
वो होगा एक नया सोच वाले।
चलती नदी जैसे सपनों को आगे पडाओ।
उगते सूरज जैसे अपने सोच को पडाओ।
चमकते तारों के तरह अपनी कर्म से चमको
तो हमे आगे बड सकता है,
और एक नए इनसान बनसकता।
बुरे आधुनिक सोच से,
मत कर अपना विनाश।
उडो अपनी सपनों के पथ से,
एक नया सोच वाली समुद्र में।
एक नया सुबह के पहले,
एक पुरानी रात होगा।
नया वक्त के सात,
बदलो अपनी सोच और कर्म को।
तो हमे चल सकता एक नयी दिशा में।

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

अपनी सपनों के पीछे
फिर छोटे बच्चे की तरह चलो।
अपनी नया वक्त में,
नया दिशा में चलो।
अपने दिल में निश्चय करो,
फिर नया इनसान बनेगा,
फिर नया सोच वाले होगा।